रायपुर: भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह को माउण्ट आबू का निमंत्रण देते हुए बीके कमला दीदी एवं सविता बहन।

शिव आमंत्रण

RNI: RJHIN/ 2013/ 53539

रायगढ़: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि एवं बीके बहनें।

वर्ष: 5, अंक:7 | RNI: RJHIN/ 2013/ 53539 | सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण | हिन्दी (मासिक) - 2017, जुलाई सिरोही, पृष्ठ: 6, मूल्य : 7.50 रुपए

नकारात्मक विचार ही रोगों का मुख्य कारण ...पेज - 2

आजादी के लिए मर मिटने वालों का संकल्प करें साकार : प्रधानमंत्री मोदी ...पेज - 3

श्रेष्ठ ब्राह्मण माना स्वच्छ, जो स्वच्छ और शुद्ध है वही सच्चा सेवाधारी है ...पेज - 4

ब्रह्माकुमारीज द्वारा जगह-जगह पर नशामुक्ति कार्यक्रम ...पेज - 5

बच्चे ही हैं हमारे आने वाले कल की तकदीर ...पेज - 6

खाली जगह मिले, वहां पेड़ लगाएं : महेश गागड़ा ...पेज - 6

विले पार्ले से लेकर गोवा तक जीवन प्रबंधन की पाठशाला : जीवन प्रबन्धन का मंत्र सीखने उमड़ी बालिवुड की कई हस्तियां

कुंडली नहीं, संस्कार मिलाने से बनेंगे अच्छे रिश्ते :शिवानी

शिव आमंत्रण ■ विले पार्ले मुम्बई

भागदौड़ भरी जिन्दगी वाले शहर मुम्बई स्थित विले पार्ले ब्रह्माकुमारीज संस्था की ओर से भाईदास हॉल में जीवन प्रबन्धन पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जीवन प्रबन्धन विशेषज्ञ बीके शिवानी ने व्यावसायिक से लेकर व्यक्तिगत जीवन में शांति एवं विकास के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला तथा जीवन जीने की कला सीखायी। हजारों लोगों से खचाखच भरे भाईदास हॉल में करीब दो घंटे तक लोग जीवन के अनुभवों में डूब गये।

इस कार्यक्रम का दीप जलकार अतिथियों ने उद्घाटन किया। इसमें फिल्म जगत से लेकर सभी वर्गों की ख्यातनाम हस्तियां शरीक हुई। इस कार्यक्रम में व्याख्यान देते हुए बीके शिवानी ने कहा, कि संकल्प से सृष्टि बनती है, हर बात में श्रेष्ठ संकल्प डालते जाए तो जो भी खायेंगे, पियेंगे वह प्रसाद बनता जायेगा। हर विचार का हमारे उपर असर पड़ता है। किसी ने आपकी जन्मपत्री निकाल कर दी और आपके मन ने वह मान लिया माना आपने अपनी शक्ति उस भविष्य बताने वाले को दे दी।

कुंडली बताने से नहीं बल्कि संस्कार मिलाने से अच्छे सम्बन्ध का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि जन्मपत्री भी अच्छे कर्मों से हम बदल सकते है। जिसने अपने संस्कार चेंज किए है उस आत्मा के लिए वह जन्मपत्री वालिड नहीं है। आज तो कुंडलिया मिलाकर ही शादियां की जा रही है तो फिर डिवोर्स रेट बढ़ क्यों रहा है? अपने विचार श्रेष्ठ रखेंगे तो मन शक्तिशाली होता जायेगा और जैसा सोचेंगे वैसा होता जायेगा।

ये भी रहे उपस्थित

कार्यक्रम में विले पार्ले की सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके योगिनी, मीरा सोसायटी की प्रभारी बीके मीरा, फिल्म अभिनेता सुरेश ओबेराय, डॉ. अशोक मेहता, विवेक ओबेराय की धर्मपत्नी प्रियंका राय समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

जीवन प्रबंधन पर व्याख्यान कार्यक्रम का उद्घाटन करतीं बीके शिवानी के साथ फिल्मी जगत की हस्तियां तथा इस अवसर पर मौजूद देश-विदेश से जुटे प्रतिनिधि।

संकल्प से बदलती है दुनिया

ब्रह्माकुमारीज की टीचिंग्स सदा हमारे साथ रहती है। क्योंकि मैं मानती हूं कि जब हम अपने मन को, थॉटस् कों कंट्रोल करे तभी हम अपने आप को शांत मान सकते है। संकल्प से हमारी दुनिया बदलती है। जो हम बाहर ढूंढ़ते है वह हमारे अन्दर मिलता है। जिनको चाहिए वे लोग ब्रह्माकुमारीज संस्थान में जाकर योग सीखें।

- पूनम ढिल्लन, फिल्म अभिनेत्री, मुम्बई

जैसा अन्न वैसा होता है मन

वह जो हम खा रहे है मेरे हिसाब से सिर्फ 20 प्रतिशत है। जो 80 प्रतिशत हम कंज्युम कर रहे है, अगर उस पर भी उतना ख्याल करना शुरू कर देंगे तो जो वो डाइट की बात करते है, मतलब वजन कम करने की बात करते है उसकी जरूरत नहीं पड़ेगी।

- संजीव कपूर, फिल्म अभिनेता तथा चेयरमैन, फूड फूड चैनल, मुम्बई

परमात्मा मिलन का सहज मार्ग

हर एक को सकारात्मक चीजों पर फोकस करना चाहिए। जो हमारे लिए हेल्दी है। हमारे आसपास बहुत कुछ नकारात्मक होता है लेकिन उसमें से हम कोई एक चीज ऐसी ढूंढ़ें जो बहुत पॉजिटीव है, जिससे सबको खुशी मिलती है। आगे बढ़ना बहुत जरूरी है लेकिन जीवन में वैल्यूज को खोकर नहीं। परमात्मा से मिलने का इससे दूसरा कोई मार्ग नहीं।

-ग्रेसी सिंह, फिल्म अभिनेत्री

जीवन की सच्चाई यही है

यहां इस कार्यक्रम में आकर और ज्ञान सुनने के बाद लगा कि जीवन की सच्चाई यही है। यदि मनुष्य के जीवन में सुख और शांति नहीं तो उनका जीवन बेकार है। इसलिए ब्रह्माकुमारीज का ज्ञान पूरे विश्व में नया कीर्तिमान स्थापित करेगा। इससे लोगों की जिन्दगी बेहतरीन मार्ग की ओर बढ़ रही है।

-धर्मेन्द्र , फिल्म अभिनेता

आत्मा की बैटरी चार्ज करें

हम मोबाईल की बैटरी चार्ज करते है परन्तु खुद की बैटरी चार्ज नहीं करते हैं। मंदिर में जाते है शांति के लिए परन्तु यहॉ आने से विचारधारा बदलती है। हमारी दुनिया में निगेटिविटी को ज्यादा महत्त्व देते है, लेकिन ऐसी जगह पर आने से रिचार्ज करते है चारो तरफ से पॉजिटिविटी मिलती है। निगेटिविटी को हटाकर अपने अंदर पॉजिटीविटी लाना है, मुस्कुराते रहना है, खुशी रखनी है यह यहां सीखने को मिलता है। यहां महत्वपूर्ण बात यह है कि एक्शन और वर्डस दोनों का बहुत सुंदर मिलाप है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान का यह आयोजन जीवन में आंतरिक शांति व शक्ति के लिए उपयोगी होगा। पूरे विश्व को ब्रह्माकुमारीज संस्थान इस दुनिया को एक उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। चाहे हास्पिटल हो या कोई और समाज सेवा सबमें ब्रह्माकुमारीज बढ़-चढ़कर भूमिका निभा रही है।

- विवेक ओबेरॉय, फिल्म अभिनेता, मुम्बई

आत्म संतोष के लिए सीखे राजयोग

यहां आने के बाद बहुत सारी चीजें ऐसी मिलती है जो बाहर कहीं नहीं मिलती। कहते हैं, जिन ढूंढा तिन पाइया गहरे पानी पैठ। जब तक उस चीज को आप ढूंढेंगे नहीं तो वह आपको मिलेगी कैसे? जैसे धन कमाना होता है तो उसके लिए मेहनत करना पड़ता है। अगर आपको शांति चाहिए तो उसके लिए भी आप को बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। मेहनत सिर्फ इतनी है कि आप ब्रह्माकुमारी संस्था से जुड जाए। आपको अपने आप जीवन दर्शन मिल जाएगा। आत्मा को अगर संतोष देना है तो जरूरी है यहां जाना।

- समीर, गीतकार, मुम्बई

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व तैयारियां

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के राजयोगी जगाएंगे जन-जन में योग की अलख

4 प्रदेशों के 13 जिलों में ब्रह्माकुमारीज और आयुष मंत्रालय के तत्वाधान में आयोजन

शिव आमंत्रण ■ आबूरोड

21 जून को मनाये जा रहे अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए भारत सरकार के आयुष मंत्रालय तथा ब्रह्माकुमारीज संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में वैसे तो देश विदेश में कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। परन्तु कुछ प्रदेशों के जिलों में खास तौर पर भारत सरकार ने योग के साथ राजयोग सीखाने की जिम्मेदारी संस्थान को दी है जिसके तहत कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही ब्रह्माकुमारीज संस्थान पूरे जोर-शोर से योग के साथ राजयोग का प्रशिक्षण दे रहा है।

इन प्रदेशों की दी जिम्मेदारी : भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने ब्रह्माकुमारीज को अहम जिम्मेदारी देते हुए देश के पांच स्टेट में योग के साथ राजयोग की अलख जगाने की महत्वपूर्ण भूमिका दी है। जिसमें राजस्थान के चार जिले सिरोही, पाली, झालवाड़, नागौर है। इसके साथ ही गुजरात में पांच जिले में जिसमें गांधीनगर, सुरेन्द्रनगर, भरुच, बड़ोदरा और छोटा उदयपुर समेत पांच जिलों में योग और राजयोग की अलख जगायी जायेगी।

इसी क्रम में आसाम के नौगॉव छत्तीसगढ़ के दुर्ग और बस्तर में भी योग के साथ राजयोग के प्रति लोगों को जागरुक किया जायेगा। छत्तीसगढ़ का बस्तर जिला इसलिए भी अहम है क्योंकि यह पूरा का पूरा नक्सली क्षेत्र है जहॉ इसके प्रति रुझान से लोगों में सकारात्मक बदलाव आयेगा। संस्थान ने इसके लिए पूरी तैयारियां करते हुए कार्यक्रमों का अयोजन करना प्रारम्भ कर दिया है और यह 21 जून तक चलायें जायेंगे।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान और भारत सरकार का आयुष मंत्रालय का यह प्रयास लोगों में निश्चित तौर पर आन्तरिक रुप से सकारात्मक बदलाव में अहम भूमिका निभायेगा। जाहिर है दुनिया में आज योग का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। परन्तु जिस मकसद से योग किया जा रहा है उसका पूरा परिणाम तब आयेगा जब शरीर के साथ आत्मा और मन के विकास के लिए भी प्रयास किया जायें। राजयोग विशेषज्ञों का मानना है कि शरीर को ठीक रखने के लिए योग जरुरी है परन्तु यदि आत्मा और मन को ठीक रखना है तो उसके लिए अध्यात्म के साथ राजयोग सीखना अति आवश्यक है।

मूल्यों में तेजी से हो रही फिसलन को रोक सकती है ब्रह्माकुमारीज संस्थान : सिंह

मीडिया कॉन्फ्रेंस | मीडिया प्रतिनिधियों के आन्तरिक सशक्तिकरण और मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता पर चिंतन

शिव आमंत्रण ■ माउंट आबू

मीडिया के इतिहास में पहली बार है जब पत्रकारों के आन्तरिक सशक्तिकरण के लिए ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मीडिया प्रभाग द्वारा माउण्ट स्थित ज्ञान सरोवर एकेडेमी में तीन दिवसीय मीडिया सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में देश के कोने-कोने से प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया से जुड़े विशेष प्रतिनिधि शामिल हुए। निश्चित तौर पर यह सुखद लगा जब सभी मीडियाकर्मियों ने कहां पत्रकारिता में आने वाली चुनौतियों को आन्तरिक सशक्तिकरण के जरिये हल किया जाये।

तीन दिन तक चले इस सम्मेलन में राजयोग ध्यान का भी अभ्यास कराया गया। साथ ही जीवन प्रबन्धन, तनाव प्रबन्धन और जीवन जीने की कला पर भी व्याख्यान के जरिये मीडियाकर्मियों को तनावमुक्त करने का प्रयास किया गया। उदघाटन सत्र में संस्था प्रमुख राजयोगिनी दादी जानकी तो नहीं आ सकी परन्तु विडियो कान्फ्रेसिंग के जरिये सम्बोधित करते हुए कहा कि समय की मांग है कि ईश्वरीय ज्ञान का व्यापक प्रसार किया जाए। इससे ही जीवन आदर्शमयी बन सकेगा। परमात्मा से जितना अधिक लोगों का जुड़ाव होगा उतनी ही उन्हें शक्ति प्राप्त होगी। ज्ञान व राजयोग के बल पर विश्व को परिवर्तन करना संभव होगा।

टुकड़ों में बंट रहे समाज को रोके

दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार तथा ब्रॉडकास्ट एडिटर्स एसोसिएशन के महासचिव एन. के. सिंह ने कहा कि भारत की प्रत्येक संस्था में जब पतन हो रहा है तो मीडिया इससे कैसे अछूता रहता। दिक्कत यह है कि सूचना के अभाव के कारण मीडिया नैतिक दायित्व सही तरह से नहीं निभा पाता। मीडियाकर्मियों को सोचना होगा कि हमें परमात्मा ने नेताओं के कसीदे गढ़ने के लिए इस क्षेत्र में नहीं भेजा। दुर्भाग्य से भारत में गलत प्रतिमान बन रहे हैं। मूल्यों में तेजी से हो रही फिसलन को थामने का सामर्थ्य ब्रह्माकुमारी जैसी स्वयंसेवी संस्थाओं में है। हमें इनसे सहयोग करके टुकड़ों में बंट रहे समाज को सही दिशा देने की कठिन परीक्षा में खरा उतरना होगा।

संस्था के महासचिव बी. के. निर्वैर ने कहा कि तनाव भरे वातावरण में भले ही शांति का एहसास कठिन लगता है लेकिन मेडिटेशन का जीवन में समावेश करके सच्चा सुख प्राप्त किया जा सकता है। संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने अपने आशीर्वचन में मीडिया के कार्य को उत्तम बताते हुए सत्य को परखने और दूसरों के दुःख दूर करने में सहभागी बनने का आहवान किया। मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष बी के करूण ने शारीरिक योगाभ्यास के साथ साथ राजयोग अपनाकर मूल्यनिष्ठ बनने का मार्ग प्रशस्त करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन करतीं दादी रतन मोहिनी तथा इस अवसर पर मौजूद अतिथि।

मीडिया पर बढ़ रहा है दबाव

बीते दो तीन वर्षों में परोक्ष व अपरोक्ष रूप से मीडिया पर कई प्रकार का दबाव बढ़ रहा है। आने वाले कुछ वर्षों में औद्योगिक घराने मीडिया मालिक बनकर 42 फीसदी जनंसख्या पर हावी होने की उम्मीद लगाये बैठे हैं। कहीं ऐसा न हो कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का तमगा ही मीडिया से छिन जाये।

-राजीव रंजन नाग, सदस्य, भारतीय प्रेस परिषद, दिल्ली

मीडिया में मूल्य जरूरी

पत्रकारिता समाज का प्रहरी है। इसे समाज को संवारने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। इसके लिए मूल्य जरूरी है। मीडिया में मूल्यों के समावेशता के लिए अध्यात्म और राजयोग ब्रह्माकुमारीज संस्थान से सीखा जा सकता है।

- डॉ.के. रामचन्द्र मूर्ति, सम्पादकीय निदेशक, साक्षी मीडिया समूह, हैदराबाद

हर समस्या का हो समाधान

चाहे वह मीडिया हो या कोई भी क्षेत्र समस्यायें तो आती ही हैं। इसके लिए प्रयास करने की जरूरत है। ब्रह्माकुमारीज सरीखे संस्थान ऐसी समस्याओं के निपटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हमें मिलकर संस्थान के प्रयास में मदद करना चाहिए। **- दिनकर राय,** समूह सम्पादक, लोकमत ग्रुप, मुम्बई

ये रहे मौजूद

मुल्यानुगत मीडिया अभिक्रम समिति के राष्ट्रीय संयोजक प्रो. कमल दीक्षित, मीडिया प्रभाग के उपाध्यक्ष बी के आत्मप्रकाश, मीडिया जयपुर के विधायक मोहनलाल गुप्ता, राजस्थान विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष डॉ. संजीव भानावत, सहायक प्रोफेसर डॉ. मनोज लोढ़ा, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पवित्र श्रीवास्तव, द वर्ल्ड रिन्यूवल पत्रिका के सह संपादक बीके युधिष्ठिर, भोपाल के सह जनसंपर्क अधिकारी राजेश पाण्डे, वाई बाबजी - हैदराबाद, बीके गिरीश, डॉ. श्रीगोपाल नारसन - रूडकी, डॉ. हरदीप सिंह - लुधियाना, डॉ. बिन्नी सरीन, अशोक चतुर्वेदी - जयपुर, मीडिया प्रभाग के मुख्यालय कोआर्डिनेटर बीके शांतनु, पीस ऑफ माइंड टीवी के संपादक बीके कोमल समेत बड़ी संख्या में लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये।

अन्तरावलोकन से खुद को बनाये सशक्त

मीडिया में नित नये आयाम स्थापित हो रहे है। हर दिन कोई ना कोई नयी समस्या पैदा होती है। परन्तु उसे अपने व्यक्तिगत स्तर से ही निपटना पड़ता है। इसके लिए संस्था का यह प्रयास सराहनीय है। इससे ही हमें समस्याओं के समाधान में मदद मिलेगी। **- अनिल राय,** प्रबन्ध सम्पादक, न्यूज़ वर्ल्ड इंडिया, नोएडा